

1/10  
10

पत्रावली पत्र हुड) काल काल आवा ज विद्या विद्या  
कोई शांति नहीं। पाकी व उलके पकीम का  
अदम्य जीरी व अदम्य पेटकी में पाकी का पाके (पकीम)  
कि या जावा ही नरक ले कय हो काल के 2 त कभी  
शांति व दमन की जाय।

**रूप खण्ड अधिकारी**  
**गोष्ठात्मि (भववर) राजव**